Reporters Required!
For
Delhi, Haryana, UP,
Ludhiana, Shimla,
Bihar, Jammu, Jaipur
Amritsar, Bathinda,
Call/WhatsApp:
+91-9157875000
+91-9815619715
Email:
azadvaani65@gmail.com

Monthly Hindi/English Newspaper

Published from SAS Nagar (Mohali)

Azad वाणी

NEWS • VIEWS • ANALYSIS

RNI No.
PBBIL/26/A0779

चंडीगढ़ में भव्य आयोजन: एफएसएआई इंडिया फायर एंड सिक्योरिटी यात्रा 2026 ने दिया सुरक्षा जागरूकता का संदेश

फायर एंड सिक्योरिटी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (FSAI) के चंडीगढ़ चैप्टर द्वारा 9 मई 2026 को सेक्टर-31 स्थित Confederation of Indian Industry (CII) में "इंडिया फायर एंड सिक्योरिटी यात्रा 2026" (IFSY 2026) तथा नए पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में देशभर से आए 150 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें उद्योग जगत के विशेषज्ञ, आर्किटेक्ट, इंजीनियर, सलाहकार, सरकारी अधिकारी, सुरक्षा विशेषज्ञ और फायर एवं सिक्योरिटी सेक्टर से जुड़े अनेक गणमान्य लोग शामिल रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्री जसजीत सिंह उपस्थित रहे, जो वर्तमान में MARKFED में जीएम के पद पर कार्यरत हैं और पूर्व में मोहाली नगर निगम में जॉइंट टैक्स कमिश्नर के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। समारोह में श्री अंकुर गुप्ता, श्री ललित दत्त, श्री कुमार वैभव, आर्किटेक्ट प्रीतपाल आहलूवालिया, आर्किटेक्ट मनमोहन खन्ना, आर्किटेक्ट स्वाति बहल, डॉ. बलकार सिंह सहित कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

समारोह के दौरान आर्किटेक्ट नागेंद्र नारायण ने एफएसएआई चंडीगढ़ चैप्टर के अध्यक्ष पद की शपथ ली। वहीं इंजीनियर मनी खन्ना ने प्रेसिडेंट-इलेक्ट तथा श्री संजीव भारद्वाज ने चैप्टर सेक्रेटरी के रूप में पदभार संभाला। नए पदाधिकारियों ने अपने संबोधन में क्षेत्र में फायर सेफ्टी और सिक्योरिटी जागरूकता को बढ़ावा देने, प्रोफेशनल डेवलपमेंट, तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान और सुरक्षित इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम में फायर सेफ्टी, डिजास्टर मैनेजमेंट, बिल्डिंग सेफ्टी सिस्टम्स और आधुनिक तकनीकों की बढ़ती भूमिका पर विस्तृत चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने भविष्य में सुरक्षित और स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए आवश्यक कदमों और चुनौतियों पर अपने विचार साझा किए।

इस अवसर पर सिस्टम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सीडब्ल्यूसी सदस्यों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। इनमें आर्किटेक्ट अमित शर्मा, सीमा शर्मा, आर्किटेक्ट किरण गांधी, आर्किटेक्ट रजनीश वाधवा, इंजीनियर राजन मित्तल, इंजीनियर बसंत यादव और श्री अतुल कुमार अरोड़ा सहित अन्य सदस्य शामिल रहे।

कार्यक्रम का समापन नेटवर्किंग सत्र के साथ हुआ, जहां सभी प्रतिभागियों ने भारत में फायर एवं सिक्योरिटी मानकों को और अधिक मजबूत बनाने की सामूहिक प्रतिबद्धता व्यक्त की।

पंजाब स्टेट ह्यूमन राइट्स कमीशन की कोर ग्रुप टीम में शामिल हुईं एडिटर करनजीत कौर

मोहाली में आयोजित "ह्यूमन राइट्स लीडरशिप कॉन्क्लेव 2026" के दौरान पंजाब स्टेट ह्यूमन राइट्स कमीशन ने जिला एसएएस नगर (मोहाली) स्तर पर कोर ग्रुप टीम का गठन किया, जिसमें एडिटर करनजीत कौर को सदस्य के रूप में शामिल किया गया। कार्यक्रम में आयोग के चेयरपर्सन जस्टिस संत प्रकाश, सदस्य जस्टिस गुरबीर सिंह और पद्मश्री डॉ. जतिंदर सिंह शंटी ने कोर ग्रुप सदस्यों की घोषणा की।

इस अवसर पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के जस्टिस हरकेश मनुजा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। वहीं राज लाली गिल, गुरजीत कौर रुचि बावा, डीजीपी गौरव यादव और डॉ. सागर प्रीत हुड्डा सहित कई गणमान्य लोग भी शामिल हुए।

बैठक में मानव अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने, पीड़ितों को आयोग तक पहुंचाने|

NEET-UG 2026 पेपर लीक की आशंका से मचा हड़कंप, राजस्थान SOG की जांच में 'गेस पेपर' से मिले 120 सवाल

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा NEET-UG 2026 एक बार फिर विवादों में घिर गई है। राजस्थान की स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (SOG) ने परीक्षा में कथित पेपर लीक की आशंका को लेकर जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसी को एक ऐसा 'गेस पेपर' मिला है, जिसमें शामिल लगभग 120 प्रश्न वास्तविक परीक्षा में पूछे गए सवालों से मेल खाते पाए गए हैं। इस खुलासे के बाद छात्रों और अभिभावकों के बीच चिंता का माहौल बन गया है।

राजस्थान SOG के एडीजीपी Vishal Bansal ने जयपुर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि NEET परीक्षा को लेकर कई तरह की भ्रांतियां और चर्चाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान एक 'गेस पेपर' मिला है, जिसमें कुल 410 प्रश्न शामिल हैं। दावा किया जा रहा है कि इनमें से करीब 120 प्रश्न विशेष रूप से केमिस्ट्री विषय के थे, जो वास्तविक परीक्षा में भी पूछे गए।

पंजाब में निकाय चुनाव का बिगुल: 26 मई को 8 नगर निगम और 102 नगर परिषदों के लिए मतदान

पंजाब में शहरी निकाय चुनावों का ऐलान हो गया है। राज्य निर्वाचन आयोग ने सोमवार को घोषणा करते हुए बताया कि राज्य की 8 नगर निगमों तथा 102 नगर परिषदों और नगर पंचायतों के लिए 26 मई 2026 को मतदान कराया जाएगा। चुनावों की घोषणा के साथ ही पूरे राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है, जिसके चलते राज्य सरकार अब चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक कोई नई घोषणा नहीं कर सकेगी।

राज्य निर्वाचन आयुक्त Raj Kamal Chaudhary ने चंडीगढ़ स्थित पंजाब भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान चुनाव कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मतदान सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक होगा, जबकि मतगणना 29 मई को करवाई जाएगी। नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया 13 मई से शुरू होकर 16 मई तक चलेगी। नामांकन पत्रों की जांच 18 मई को की जाएगी और 19 मई नाम वापस लेने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है।

निर्वाचन आयोग के अनुसार राज्य में कुल 36,72,932 मतदाता इस चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। आयोग ने दावा किया कि चुनावों को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सभी राजनीतिक दलों को चुनाव कार्यक्रम की जानकारी दे दी गई है और उम्मीदवारों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। निर्वाचन आयोग ने उम्मीदवारों के लिए खर्च सीमा भी तय कर दी है। नगर निगम चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार अधिकतम 4 लाख रुपये तक खर्च कर सकेंगे। नगर परिषद चुनाव के लिए यह सीमा 3 लाख रुपये निर्धारित की गई है, जबकि नगर पंचायत चुनावों में उम्मीदवार 1.40 लाख रुपये तक खर्च कर पाएंगे।

आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि सभी उम्मीदवारों को नामांकन पत्र के साथ अपनी चल और अचल संपत्ति का पूरा विवरण देना अनिवार्य होगा। नामांकन फॉर्म और संबंधित दस्तावेज आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

पंजाब में निकाय चुनावों की घोषणा के साथ ही राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं।

ई-फार्मेसी के खिलाफ केमिस्टों की आवाज बुलंद, सांसद मलविंदर सिंह कंग को सौंपा ज्ञापन

मोहाली डिस्ट्रिक्ट केमिस्ट्स एसोसिएशन (एम.डी.सी.ए.) के अध्यक्ष श्री अमरदीप सिंह और जनरल सेक्रेटरी श्री विक्रम ठाकुर के नेतृत्व में एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज सांसद Malvinder Singh Kang को ज्ञापन सौंपकर केमिस्ट बिरादरी के सामने आ रही गंभीर समस्याओं और लगातार बढ़ रहे अत्याचारों से अवगत करवाया। प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से अनियंत्रित तरीके से संचालित हो रही ई-फार्मेसियों और उनके कारण पारंपरिक मेडिकल स्टोर संचालकों पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभावों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि लाइसेंसधारी केमिस्टों और मेडिकल स्टोर संचालकों को ऑनलाइन दवा बिक्री के बढ़ते चलन के कारण भारी आर्थिक और प्रशासनिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिना उचित नियंत्रण और निगरानी के संचालित हो रही

ई-फार्मेसियां न केवल छोटे और मध्यम स्तर के फार्मेसी व्यवसायों के लिए चुनौती बन चुकी हैं, बल्कि इससे हजारों परिवारों की आजीविका भी प्रभावित हो रही है।

एसोसिएशन के सदस्यों ने कहा कि केमिस्ट बिरादरी हमेशा से स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। कोविड महामारी जैसे कठिन समय में भी मेडिकल स्टोर संचालकों ने दिन-रात लोगों की सेवा की और आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की। बावजूद इसके आज वही बिरादरी गलत व्यापारिक नीतियों, प्रशासनिक दबावों और अनियंत्रित ऑनलाइन दवा बिक्री के कारण संकट में है।

एम.डी.सी.ए. के अध्यक्ष श्री अमरदीप सिंह ने कहा कि जनता के स्वास्थ्य और ईमानदारी से काम कर रहे हजारों केमिस्टों के रोजगार की सुरक्षा के लिए ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट तथा संबंधित कानूनों को सख्ती से लागू किया जाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए तो पारंपरिक फार्मेसी व्यवसाय को गंभीर नुकसान हो सकता है।

जनरल सेक्रेटरी श्री विक्रम ठाकुर ने चिंता जताते हुए कहा कि बिना पर्याप्त नियमों और निगरानी के चल रही ई-फार्मेसियां आम जनता के स्वास्थ्य के लिए भी खतरा बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि बिना डॉक्टर की पर्ची के दवाइयों की बिक्री, दवाओं का गलत इस्तेमाल और जवाबदेही की कमी जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं, जिन पर तुरंत नियंत्रण जरूरी है।

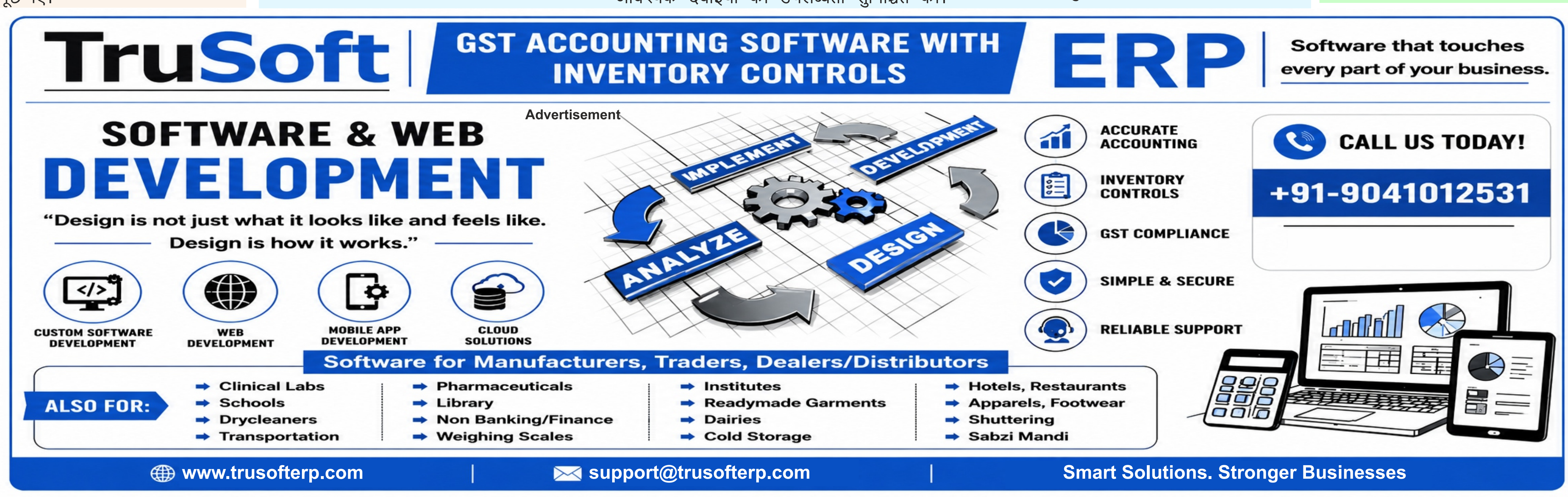

herbegy™

Think pure think herbal

PREMIUM SPICES RANGE

Pure Spice. Rich Flavour.

PURE | AROMATIC | PREMIUM QUALITY

Advertisement

For Dealer Inquiry Contact:

727-515-0015